

जनजाति विकास निधि (टीडीएफ़) का उपयोग सहायता के लिए किया जा रहा है

Tribal Development Fund (TDF) is being used to support

- संधारणीय और भागीदारी आजीविका कार्यक्रम जैसे की पेड़/ बाग आधारित कृषि प्रणाली; मिश्रित बाग (मिश्रित कृषि/ बहुस्तरीय कृषि), परिशुद्ध खेती (प्रिसिशन फार्मिंग); प्राकृतिक खेती, आदि
Sustainable and participatory livelihood programmes such as tree/ orchard-based farming systems; mixed orchards (mixed farming/multi-tier farming), precision farming; natural farming, etc.
- कृषि संबद्ध और कृषीतर क्षेत्र से संबंधित गतिविधियां.
Agri. allied and off farm activities.
- पारंपरिक आर्थिक गतिविधियां जैसे लघु वन उपज का एकत्रण, जड़ी-बूटी औषधियाँ, गोंद, प्राकृतिक रंग, भेड़ पालन, आदि.
Traditional economic activities like collection of minor forest produce, herbal medicines, gums, natural dyes, sheep rearing, etc.
- जनजाति कला और शिल्प पर आधारित आजीविका.
Livelihoods based on tribal art and craft.
- प्रसंस्करण और विपणन सुविधाओं, सामान्य आधारभूत संरचना आदि के सृजन के माध्यम से वर्टिकल इंटीग्रेशन.
Vertical integration through creation of processing and marketing facilities, common infrastructure, etc.
- निवारक स्वास्थ्य देखभाल और स्वच्छता जैसे गुणवत्ता में सुधार के उपाय;
Measures to improve quality of life such as preventive health care and sanitation;
- बचत समूह, कठिन परिश्रम में कमी, आय निर्माण गतिविधियाँ, संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी को सक्षम बनाने आदि के संवर्धन के माध्यम से महिला सशक्तीकरण.

Women empowerment through promotion of thrift groups, drudgery reduction, income generation activities, enabling participation of women in institutions, etc.

- भूमिहीनों हेतु विशिष्ट योजनाएँ.

Special plans for landless.

- किसानों, परियोजना कार्यान्वयन एजेंसी (पीआईए), सरकारी विभागों, कॉरपोरेट भागीदारों, आदि जैसे सभी हितधारकों का प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण और संसाधन सहायता संगठनों की सेवाएँ लेना.

Training and capacity building of all stake holders such as farmers, PIAs, Government Departments, Corporate partners, etc. and engaging the services of resource support organizations.

- सहकारिताओं, परियोजना स्तर समितियों, ग्राम स्तरीय संस्थाओं, उत्पादक कंपनियों, आदि के संवर्धन के माध्यम से जनजाति संगठनों को मजबूत बनाना.

Strengthening of tribal organizations through promotion of co-operatives, project level committees, village level institutions, Producers Companies, etc.

- जनजाति गतिविधियों के संवर्धन हेतु संभाव्यता और गवेषणात्मक अध्ययन, मध्यावधिक, कार्योत्तर मूल्यांकन अध्ययन, कार्यशालाओं, प्रदर्शनियों जैसे कार्यक्रमों को सहायता प्रदान करना.

Potential and exploratory studies, mid- term, ex-post evaluation studies, support to events such as workshops, exhibitions, etc. for promoting tribal activities.

- साहित्य, वृत्तचित्र, वीडियो फिल्म, आदि के प्रकाशन के माध्यम से प्रलेखीकरण.

Documentation through publication of literature, documentaries, video films, etc.

- संधारणीय कृषि पद्धतियों और संबद्ध गतिविधियों पर ध्यान देने के साथ जनजाति प्रधान गावों का एकीकृत विकास जिसमें सहयोगों की पूरी श्रृंखला सम्मिलित है.

Integrated development of tribal dominated villages with focus on sustainable agriculture practices and allied activities encompassing the entire chain of interventions.

- प्रचार के उपाय.

Publicity measures.

सहायता की प्रकृति/ Nature of Support

इस निधि की सहायता आवश्यकता आधारित, स्थान विशिष्ट और उचित उपयोग के लिए लचीली होगी. इसका वित्तपोषण अनुदान के माध्यम से किया जाएगा जैसे कि उचित पाया जाएगा.

जनजाति विकास निधि में राज्य सरकारों, कॉर्पोरेट, एनजीओ, ट्रस्ट और अन्य विकासात्मक एजेंसियों के साथ वित्तीय सहयोग की भी परिकल्पना की गई है.

The fund support will be need based, location specific and flexible for appropriate utilization. The funding will be done by way of grant as found appropriate.

The Tribal Development Fund also envisages financial collaboration with State Governments, Corporates, NGOs, Trusts and other developmental agencies.